

प्राक्कथन

कोश किसी भी भाषा और उसके साहित्य की संपन्नता, समृद्धि और शक्ति के परिचायक होते हैं। भाषा की समृद्ध कोश परंपरा उसकी शक्ति की प्रतीक होती है। इस दृष्टि से किसी भी भाषा और उसके साहित्य की विरासत को अक्षुण्ण बनाये रखने में कोशों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। आज तेजी से बदलते विश्व में हिंदी मात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं की भाषिक अभिव्यक्ति का ही माध्यम नहीं रह गई है, अपितु आज वह ज्ञान-विज्ञान, प्रौद्योगिकी, जन-संचार, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, मनोरंजन, विज्ञापन, सूचना-प्रौद्योगिकी तथा कुछ सीमाओं तक विधि तथा आयुर्विज्ञान संबंधी संकल्पनाओं की सटीक, सशक्त तथा सार्थक अभिव्यक्ति का भी माध्यम बनती जा रही है, लेकिन विश्व की अन्य समृद्ध भाषाओं की तुलना में हिंदी में अभी तक विश्वस्तरीय कोश-परंपरा संतोष जनक नहीं है। समय-समय पर विभिन्न संस्थाओं तथा व्यक्तिगत स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण कोशों का प्रकाशन हुआ है, वे कोश अपने प्रकाशन के समय तो काफी महत्वपूर्ण थे लेकिन पिछले लगभग पाँच दशकों में हिंदी में विभिन्न विद्या-शाखाओं और अनुशासनों की शब्दावली में जिस गुणात्मक रूप से वृद्धि हुई है उसकी पूर्ति की दृष्टि से ये कोश भी अब पुराने से पड़ने लगे हैं।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय ने आज की हिंदी की इसी महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति के लिए 'बृहत् हिंदी कोश' परियोजना पर कार्य प्रारंभ किया। इस कोश में हिंदी की पारंपरिक प्राणवान शब्दावली को तो समाविष्ट किया ही गया है इसके साथ ही साथ पाँच-छह दशकों में विभिन्न विद्या-शाखाओं से संबंधित उन नवनिर्मित हिंदी शब्दों को भी शामिल किया गया है जो अब विभिन्न विश्वविद्यालयों की पाठ्य-पुस्तकों, शोधपत्रों, समाचार पत्रों के विशिष्ट लेखों आदि में प्रचुरता के साथ प्रयुक्त हो रहे हैं और जो विशेषीकृत विद्या-शाखाओं के अंग्रेजी तकनीकी शब्दों के पर्याय के रूप में रुढ़ हो गए हैं।

भाषा सतत विकसित प्रक्रिया है, इसलिए किसी भी कोश को अंतिम रूप से संपूर्णतः पूर्ण नहीं कहा जा सकता, किंतु उसे अद्यतन एवं अधुनातन बनाने की दिशा में जो भी संभव प्रयास किये जा सकते हैं वे सभी उपाय इस कोश के लिए किये गए हैं। कोश में प्रविष्टि-चयन का आधार वर्तमान शिक्षण-सामग्री, पाठ्य पुस्तकें, अद्यतन ज्ञान-साहित्य का विकास, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, मीडिया की पहुँच, राजनीतिक विमर्श, ऐतिहासिक तथा आर्थिक विश्लेषण, मशीनी क्रांति, उद्योग और प्रौद्योगिकी से